

उत्तर-2. प्रमोद अपनी बहन कमला को विदा कराना चाहता है। वह जानता है कि पहले सावन में कमला अपनी सखियाँ के साथ ~~बन~~ रहना चाहेगी किंतु कमला के ससुर शायी में मिले कम देहज से दुख है वह कमला को माथे तक भी भोजना चाहते हैं जब प्रमोद उन्हें पाँच हजार रुपए दे देता है इसलिए उन्होंने प्रमोद के सामने कमला को ले जाने की यह शर्त रखी थी कि पहले प्रमोद उसे लाकर उन्हें दे दे फिर वह कमला को अपने साथ ले जा सकता है।

उत्तर-3. यहाँ मरहम से तात्पर्य पाँच हजार रुपए से है। जीवनलाल जी जो निशदरी में नाक कटी थी जिसे उन्होंने अपने हृदय का घाव कहा है और उस घाव का मरहम पाँच हजार रुपए है। वह धनराशि जीवनलाल जी के घाव को ठीक कर सकती है इसलिए वह कमला के भाई से देहज के रूप में उस घाव की दवा मांग रहे हैं।

उत्तर-4. जीवनलाल कमला की विदा नहीं कर रहे क्योंकि वह प्रमोद द्वारा दिया गया देहज को अपनी दसियत से कम समझ रहे हैं। प्रमोद अपनी बहन से बहुत स्नेह करता है इसलिए जीवनलाल की शर्त या मांग को पूरा करने के लिए उसने सोचा कि वह अपना मकान बेच देगा और उन पैसे में से पाँच हजार रुपए जीवनलाल को देकर कमला को विदा करवा लेगा।

अन्य प्रश्न

प्रश्न - 'राजेश्वरी देवी' ममता की मूर्ति है तो 'जीवनलाल पत्थर हृदय' स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - राजेश्वरी कमला को अपनी बेटी की तरह स्नेह करती है वह कमला को कष्टों से दूर रखना चाहती है। वह सदा कमला की प्रति सहृदय बनी रही। वह जीवनलाल को देने के लिए प्रमोद को सुपए देना चाहती है। वह बहुत को सदा बेटी की तरह स्नेह देना चाहती है। इन्हीं विशेषताओं के कारण उन्हें संवेदनशील ममता की मूर्ति कहा गया है। वहीं जीवनलाल धनवान होते हुए भी धन लोलुप, स्वाधीन व पत्थर हृदय है, वह छोटे बड़े का सम्मान करना भी नहीं जानते। उन्हें पैसों के आगे कमला का दर्द और प्रमोद की परेशानी नहीं दिखाई देती अतः उन्हें 'पत्थर दिल' कहना उचित है।

मुहावरें -

१. धूप में बाल सफ़ेद होना - अनुभवी होना
२. मुँह अँची होना - ईज्जत पाना
३. नाम पर धब्बा लगाना - बदनामी होना
४. राह देखना - प्रतीक्षा करना
५. दालों तले अँगुली दबना - हरान होना